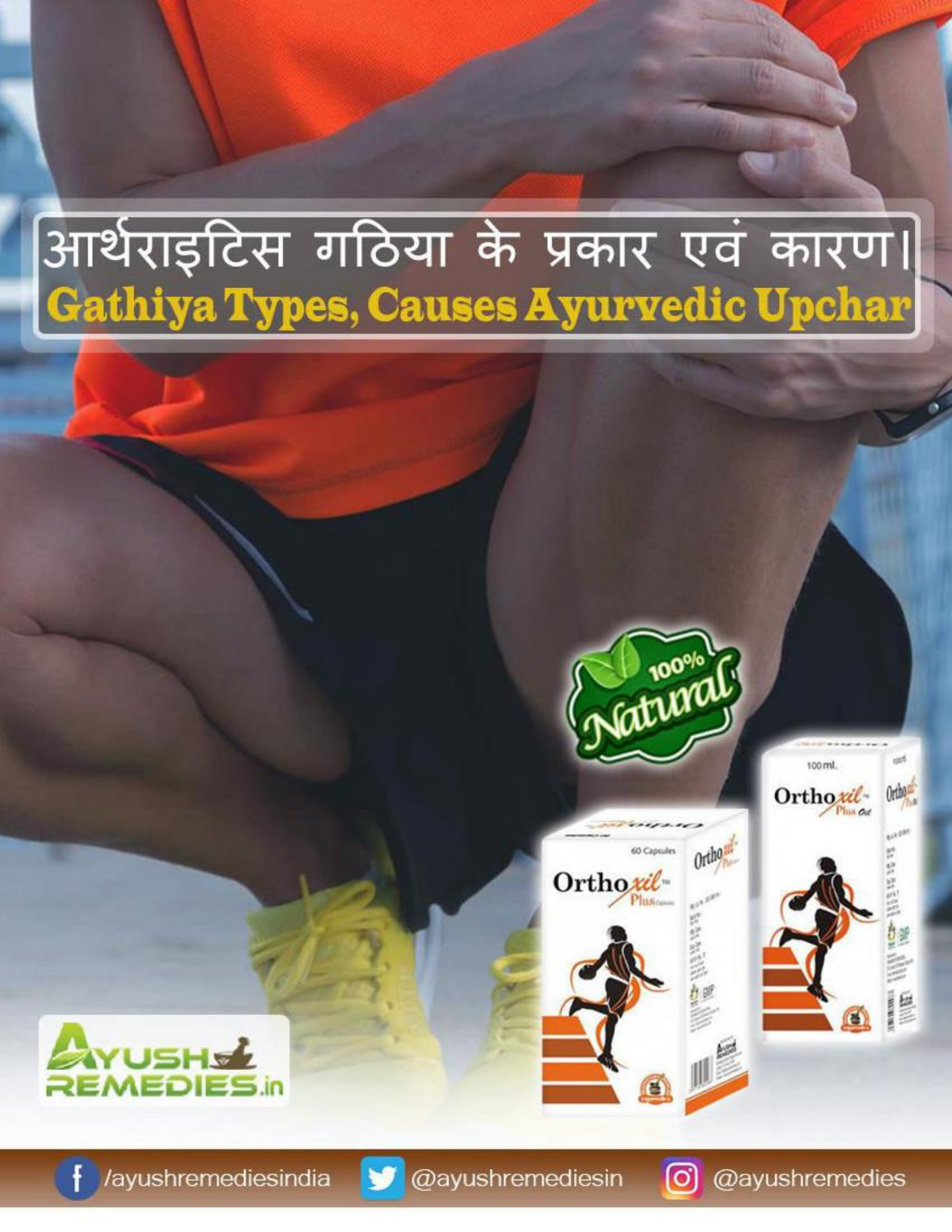

/ayushremediesindia @ayushremediesin @ayushremedies

गठिया रोग में परहेज, क्या खाना चाहिए और क्या नहीं –

गठिया रोग वह रोग है जिसमे रोगी के जोड़ों में दर्द, हाथ व पैर का हिलना या हरकत करना धीरे-धीरे बंद कर देता और इस रोग में रोगी को असहनीय पीड़ा होती जिसके कारण उसके जीवन पर काफी प्रभाव पड़ता है | यह रोग होने का कारण शरीर में यूरिक एसिड का स्तर अधिक होना माना जाता है जिसके चलते गठिया रोग हो जाता है | गठिया रोग कई प्रकार के हो सकते है जिनका पता हम चिकित्सक परामर्श में लिखी जांच के बाद करवा सकते है | गठिया के प्रकार कई तरह के होते है, जिनमे हम इन गठिया रोग के बारे में ज्यादा सुनते है जैसे: रूमेटॉयड अर्थराइटिस, ऑस्टिओ आर्थरिटिस, सोराइटिक आर्थराइटिस, ओस्टियोसोराइसिस, पोलिमायलगिया रूमेटिका आदि |

गठिया रोग के मुख्य कारण यूरिक एसिड का शरीर में इखट्ठा होना जिसके चलते ये रोग उतपन्न होता है | गठिया रोग होने का एक कारण शरीर पर अपना नियंत्रण भी है, मतलब जरुरत से अधिक वजन होना (मोटापा) | शराब का सेवन अधिक मात्रा में करना | ऐसे खाद्य पदार्थ खाना जो सेहत के लिए हानिकारक हो और जिनमे प्यूरिन अधिक हो | इस रोग के चलते जकड़न, जोड़ो में जबरदस्त दर्द व चलने फिरने एवं हिलने-धुलने में दिक्कत आने लगती है | अथार्त गठिया का आयुर्वेदिक उपचार सही समय पर होना बहुत जरुरी है |

जड़ी बूटी से तैयार आयुर्वेद का ऑर्थोंक्सिल प्लस कैप्सूल्स और ऑर्थोंक्सिल प्लस ऑयल आप आर्थराइटिस के भिन्न-भिन्न प्रकारो के रोगो पर इस्तेमाल कर रोगो पर काबू पा सकते है |

ऑर्थोंक्सिल प्लस कैप्सूल्स और ऑर्थोंक्सिल प्लस ऑयल की सामग्री –

ऑर्थोंक्सिल प्लस कैप्सूल्स और ऑर्थोंक्सिल प्लस ऑयल बना है स्वरण बंग भस्म, रीगनी, केसर, चोपचीनी, अस्थिसंहार, पीपलामूल, सुरंजन, रामयफल, एलोवेरा, नागाभस्म, गोदन्ती हरताल भस्म, अश्वगंधा, अरंड, रसना, निर्गुन्डी, गुग्गुल, नागकेसर, हल्दी, अकरकरा, लॉन्ग ऑयल, जायफल ऑयल, गंधपत्री ऑयल, गन्धपूर्ण ऑयल, पेपरमिंट ऑयल, तारपीन ऑयल, कपूर ऑयल, अरंड ऑयल और बुलेलु ऑयल |ये उत्पाद गठिया के अलग-अलग प्रकारो पर अपना काम बखूभी करते है और गठिया रोगी को आराम भी मिलता है इसके सेवन से |

ऑर्थोंक्सिल प्लस ऑयल कमर दर्द, हाथ-पेरो में दर्द, घुटनो में दर्द आदि दर्द पर लगा सकते है | इस ऑयल की मालिश करने से जोड़ो में सूजन, घुटनो का दर्द कम हो जाता है और बेहतर फायदे के लिए इस ऑयल की मालिश रात को सोते समय करेंगे तो काफी आराम मिलेगा |

भारत में ओथॉंक्सिल प्लस कैप्सूल और ऑथॉंक्सिल प्लस ऑयल कैसे खरीदें?

आप भारत में प्रतिष्ठित ऑनलाइन हर्बल स्टोर जैसे आयुष रेमेडीज डॉट इन से ऑथॉंक्सिल प्लस कैप्सूल और ओथॉंक्सिल प्लस ऑयल खरीद सकते हैं और वह भी भारतीय रुपयों में। इन हर्बल उपचारों को आप घर बैठे मंगवा सकते है | भारत में ऑथॉंक्सिल प्लस कैप्सूल और ओथॉंक्सिल प्लस ऑयल खरीदने के लिए ऑनलाइन भुगतान और साथ ही सीओडी सुविधाएं उपलब्ध हैं |

ग्राहक की गोपनीयता की रक्षा के लिए ऑथॉंक्सिल प्लस कैप्सूल्स विचारशील पैकेजिंग में उपलब्ध है | भारतीय ग्राहक इस हर्बल पूरक को 3 से 5 व्यावसायिक दिनों में सीधे अपने दरवाजे पर प्राप्त कर सकते है |

भारत में ऑर्थोक्सील प्लस कैप्सूल और ऑयल –

गठिया रोग के आयुर्वेदिक उपचार की अधिक जानकारी के लिए आप हमारी वेबसाइट AyushRemedies.in पर जाये |